

NUTRICIO DIABETIC CARE SYRUP

मुख्य घटक :-



प्रत्येक 30 मि.ली. में नीम (200 मि.ग्रा.) करेला (150 मि.ग्रा.) जामुन (150 मि.ग्रा.), एलोवेरा (100 मि.ग्रा.), विजयासार (100 मि.ग्रा.), गुड़मार (100 मि.ग्रा.), चिरायता (100 मि.ग्रा.), त्रिफला (50 मि.ग्रा.), मेथी (50 मि.ग्रा.)

लाभ एवं कार्य :-

नीम – नीम डायबिटीज में काफी फायदेमंद होता है। नीम एक्सट्रैक्ट शरीर में इंसुलीन की खपत को 30 से 50 प्रतिशत कम कर देता है।

करेला – करेले में हाईपोग्लैसेमिक नामक तत्व पाया जाता है जिसमें इंसुलिन जैसे गुण होते हैं। इस कारण किसी भी तरह की शुगर को प्राकृतिक तरीके से नियंत्रित करने के लिये प्राचीन काल से इसका बहुत उपयोग किया जाता है।

जामुन गुठली – रक्त में शुगर के स्तर को तेजी से कम करके रोगी के स्वास्थ्य को सुधारती है। यह विटामिन्स, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट्स व पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत। यह ग्लूकोज के अधिक निर्माण होने पर स्टार्च को शुगर में बदलने से रोकती है।

एलोवेरा – डायबेटिक केयर में मिश्रित एलोवेरा के तत्व पैन्क्रियाज अर्थात् अग्नाशय की कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते हैं, जिसके फलस्वरूप खून व पेशाब में शुगर की मात्रा को कंट्रोल करने में सहायता मिलती है। यह अग्नाशय में इंसुलिन के निर्माण को संतुलित रखता है इसलिए शुगर पर नियंत्रण हो जाता है। इस कारण शुगर वाले मरीज के घाव जल्दी ठीक होते हैं तथा इसकी वजह से लीवर व किडनी को भी कोई क्षति नहीं होती है। शुगर वाले मरीज के लिए एलोवेरा का प्रयोग करना बहुत लाभदायक है।

विजयसार – विजयसार पैन्क्रियाज के क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की मरम्मत में मदद करता है। यह शरीर में इंसुलीन के उत्पादन को भी बढ़ाता है।



गुड़मार – गुड़मार शरीर में इंसुलीन के लेवल को बढ़ाता है जिससे शरीर में ब्लड ग्लूकोज का स्तर कम होता है।

चिरायता – चिरायता पेनक्रियाज के क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की मरम्मत में मदद करता है। यह शरीर में इंसुलीन के उत्पादन को भी बढ़ाता है।

त्रिफला – त्रिफला में कुछ खास प्राकृतिक रसायन पाये जाते हैं जो कि इंसुलीन के स्त्राव को बढ़ाते हैं।

मेथी – मेथी दाना का पानी डायबिटीज रोगी के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें काफी मात्रा में फाइबर होता है जो कि पाचन क्रिया को धीमा करता है जिससे शरीर में कार्बोहाइड्रेड और शुगर धीरे धीरे अवशोषित होता है। जिससे शरीर आसानी से ग्लूकोज के लिए इंसुलीन को उपलब्ध करवा पाता है।

अन्य कार्य :-

- 1 यह त्वचा के पिगमेंटेशन की समस्या में भी काम आता है।
- 2 इसका पाचन संबंधित रोगों में भी अच्छा परिणाम है।
- 3 यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल के लेवल को मेन्टेन करने में भी मदद करता है।

सेवन का तरीका :- सुबह – शाम दो बार 15 से 20 मिलीलीटर 200 मिलीलीटर पानी के साथ खाली पेट में